बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 183 ● नई दिल्ली ● सोमवार 21 जुलाई 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली में बेखौफ हुए बदमाश: बेटे के गोदाम पर बैठी थी महिला, बंदूक-चाकू लेकर घुसे बदमाशों ने 70 हजार लूटे

नई दिल्ली । उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में एक बुजुर्ग महिला से उसके बेटे के प्लास्टिक के सामान के गोदाम में लूटपाट की गई। घटना शनिवार शाम की है। दो लुटेरे आए और चाकू और बंदूक की नोक पर महिला से करीब 70,000 रुपये लूटकर फरार हो गए। पीड़ित महिला मंजू देवी ने बताया, मेरे बेटे ने मुझे वहीं बैठने को कहा क्योंकि वो बाथरूम गया था। मुझे थोड़ी नींद आने लगी थी। जब मुझे कुछ हलचल महसूस हुई, तो मैं उठी और देखा कि उनके पास पिस्तौल तो थी, लेकिन मुझे नहीं पता कि वो असली थी या नकली, और उनके पास एक चाकू भी था। उसने चाकू मेरी गर्दन पर रख दिया और पैसे मांगने लगा। मैंने उससे मास्क हटाने को भी कहा, लेकिन उसने मास्क नहीं हटाया।

राष्ट्रपति-राज्यपाल के पावर : क्यों संविधान पीठ ही करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 22 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत मांगे प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर सुनवाई करेगा. यह मामला राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा निर्णय लेने की समयसीमा तय करने से जुड़ा है. सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ इस संवैधानिक मुद्दे पर विचार करेगी. संविधान पीठ में सीजेआई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर शामिल हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 मई को अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट की सलाह मांगी थी. इस अधिकार के तहत राष्ट्रपति कानून या तथ्य से जुड़े किसी प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांग सकते हैं. हालांकि, कोर्ट की यह राय फैसले की तरह बाध्यकारी नहीं होती है. यह प्रेसिडेंशियल रेफरेंस सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के उस फैसले के पांच हफ्ते बाद मांगा गया था, जिसमें दो-न्यायाधीशों की पीठ ने राष्ट्रपति के पास भेजे गए विधेयकों को मंजूरी देने की अधिकतम समयसीमा तीन महीने तय कर थी। उस फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा 10 विधेयकों को लंबित रखने या अस्वीकृत करने के निर्णय को भी खारिज कर दिया गया था. अब संविधान पीठ तय करेगी कि राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों पर निर्णय लेने की समय-सीमा तय करना कितना संवैधानिक और व्यावहारिक है. दरअसल, संबंधित राज्य की विधानसभा से पारित किसी विधेयक को गवर्नर ने राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजा है तो उसे कितने दिनों में लौटाया जाए. संविधान में इसको लेकर किसी तरह की समयसीमा तय नहीं की गई है. तमिलनाडु के राज्यपाल विधानसभा से पास 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजकर उसपर अपनी सहमति देने से इनकार कर दिया. उधर, राष्ट्रपति की ओर से

इसपर तत्काल विचार नहीं किया गया. इसके बाद तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई. 8 अप्रैल 2025 को जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली दो जजों की पीठ ने इसपर बड़ा फैसला दिया. कोर्ट ने राज्यपाल की ओर से राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजे गए विधेयकों को क्लियर करने के लिए तीन महीने की समयसीमा तय कर दी. शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट से प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मांगा. राष्ट्रपति की ओर से प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मांगे जाने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ इसपर 22 जुलाई 2025 को विचार करेगी. अन्य फैसलों की तरह इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दी गई राय बाध्यकारी नहीं होगी. संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत किए गए प्रावधान के अनुसार, प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर पांच जजों की संविधान पीठ ही सुनवाई कर सकती है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मेजोरिटी ओपिनयन के साथ प्रेसिडेंशियल रेफरेंस को वापस लौटा देगा. संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की सहायता और सलाह पर कार्य करता है. सलाहकारी अधिकार क्षेत्र उसे कुछ संवैधानिक मामलों पर कार्य करने के लिए स्वतंत्र सलाह लेने का अधिकार देता है. राष्ट्रपति ने 1950 से अब तक कम से कम 15 मौकों पर इस शक्ति का प्रयोग किया है. प्रेसिडेंशियल रेफरेंस के तहत 14 कानूनी प्रश्न शामिल हैं, जो मुख्यतः 8 अप्रैल के फैसले से लिए गए हैं. लेकिन, यह केवल उसी तक सीमित नहीं है. अंतिम तीन सवाल इस बारे में बड़े मुद्दे उठाते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा प्रदत्त विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग कैसे करता है. सवाल 12 में पूछा गया है कि क्या सुप्रीम कोर्ट को पहले यह निर्धारित करना होगा कि क्या किसी मामले में कानून का कोई महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल है या संविधान की व्याख्या की आवश्यकता है, जिसे केवल एक बड़ी पीठ ही सुन सकती है. यह सवाल अनिवार्य रूप से यह पूछता है कि क्या छोटी पीठ ऐसे महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई कर सकती है. सवाल नंबर 13 संविधान के अनुच्छेद 142 के उपयोग पर प्रश्न उठाता है, जो कि विवेकाधीन पूर्ण न्याय करने की शक्ति है. अंतिम और 14वां प्रश्न में सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र-राज्य विवादों की रूपरेखा निर्धारित करने के लिए कहा गया है जिनकी सुनवाई कोई भी न्यायालय कर सकता है. अनुच्छेद 131 में कहा गया है कि इस संविधान के प्रावधानों के अधीन, सर्वोच्च न्यायालय को, किसी भी अन्य न्यायालय को छोड़कर, किसी भी विवाद में मूल अधिकार क्षेत्र प्राप्त होगा.

दिल्ली में 130 मामलों में कुख्यात झापटमार सगे भाई गिरफ्तार, सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान

नई दिल्ली । उत्तर-पश्चिम जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने दो ऐसे कुख्यात झपटमारों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है, जिन पर 100 से भी अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. ये सगे भाई आदतन अपराधी हैं. इनकी गिरफ्तारी से अब तक 11 मामलों का खुलासा हुआ है. इनके कब्जे से पुलिस ने एक सोने की चेन और एक चोरी की स्कूटी बरामद की है. डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि मॉडल टाउन थाना पुलिस को 27 मई दी गई शिकायत में शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार बत्रा ने बताया कि वह सुबह घर से सब्जी लेने निकले थे. इस दौरान जब वे करीब 07:55 बजे दरियावाल नगर गेट नंबर 2 के पास पहुंचे थे, तभी स्कूटी पर सवार दो अज्ञात युवकों ने उनकी गर्दन से सोने की चेन झपट ली और वहां से फरार हो गए. शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर मॉडल टाउन थाने में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू की गई. मामले की गंभीरता को देखते

हुए एसीपी ऑपरेशन्स रंजीत ढाका की देखरेख और स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर सोमवीर के नेतृत्व में एएसआई देवेंद्र, एसआई अजय, एसआई सुमित और अन्य की टीम का गठन कर आरोपियों की पहचान कर उनकी पकड़ के लिए लगाया गया था. टीम ने जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें दो स्कूटियों पर चार संदिग्ध युवक नजर आए. लगातार निगरानी, वीडियो विश्लेषण और खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम दो आरोपियों की पहचान करने में कामयाब हुई. आखिरकार पुलिस को उनके बारे में पुख्ता सूचना मिली और टीम ने ट्रैप लगाकर नानक प्याऊ गुरुद्वारे के पास से दबोच लिया. हालांकि, उन्होंने पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के कारण कमायाब नहीं हो पाए. पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया. उनकी निशानदेही पर सोने की चेन और महेन्द्रा पार्क थाने में चोरी गई एक स्कूटी भी बरामद की गई. गिरफ्तार आरोपी 45 वर्षीय विजय कुमार उर्फ सोनू और 38 वर्षीय अर्जुन उर्फ गोपू उर्फ विनय उर्फ कुनाल उर्फ सरदार, दोनों झुग्गी लाल बाग, आज़ादपुर के निवासी हैं. विजय कुमार पर हत्या, हत्या का प्रयास, झपटमारी, चोरी और आर्म्स एक्ट के 24 मामले दर्ज हैं और वह पहले दिल्ली से एक साल के लिए तड़ीपार भी किया जा चुका है, जबकि, अर्जुन पर गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस, झपटमारी, चोरी एवं आर्म्स एक्ट समेत कुल 109 केस दर्ज हैं. दोनों आदर्श नगर थाना क्षेत्र के घोषित बदमाश हैं. इनकी गिरफ्तारी से मॉडल टाउन, केशवपुरम, भारत नगर, महेन्द्रा पार्क, जहांगीरपुरी, राजौरी गार्डन और जनकपुरी थानों में दर्ज 11 मामलों का खुलासा हुआ है. पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर आगे की जांच में जुट गई है.

दिल्ली में कार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 2 आरोपी गिरफ्तार; क्राइम में इस्तेमाल की गई कार बरामद

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की रूप नगर थाना पुलिस की टीम ने कार चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपितों की गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की चार कारें और अपराध में इस्तेमाल की गई एक कार बरामद की गई है। इसके अलावा वाहन चोरी में इस्तेमाल किए गए उपकरण और दो मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किए हैं। आरोपितों की पहचान अलीपुर के जावेद और अभिमन्यु उर्फ मन्नू के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज वाहन चोरी के चार मामले सुलझाने का दावा किया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 13 जुलाई को रूप नगर थाने में मारुति सुजुकी सियाज के चोरी से संबंधित शिकायत दर्ज हुई थी। टीम ने शिकायत के बाद सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच और ट्रैकिंग के बाद, चोरी की कार केशव नगर, बुराड़ी में खड़ी मिली। टीम ने तकनीकी निगरानी के आधार पर दो

आरोपितों जावेद और अभिमन्यु को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी निशानदेही पर तीन और कारें और अपराध में इस्तेमाल की गई कार बरामद कर जब्त कर ली गईं। उनकी निशानदेही पर कार की डुप्लीकेट रिमोट चाबियां बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक उपकरण और 25 डुप्लीकेट रिमोट कार की चाबियां बरामद की। पूछताछ के दौरान, आरोपितों ने बताया कि वह एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे। व अन्य सदस्यों के साथ एक गिरोह के रूप में काम करते थे। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों से गाड़ियां चुराईं और उन्हें गिरोह के दूसरे सदस्यों को बेच दी। दूसरे साथी चोरी की कारों के स्पेयर पार्ट्स दिल्ली के मायापुरी कार मार्केट में बेचते थे।

उपभोक्ताओं को उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में जानने का अधिकार देने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि उपभोक्ताओं को उत्पाद की गुणवत्ता, उसकी शुद्धता और डिस्ट्रीब्यूटर्स और सेलर्स के बारे में जानने का अधिकार मिलना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं को ये अधिकार मिलने के बाद वे गलत चीजों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर सकेंगे। इस याचिका में केंद्र और राय सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है कि प्रत्येक वितरक, व्यापारी और दुकान मालिक प्रवेश द्वार पर पंजीकरण विवरण, जिसमें नाम, पता, फोन नंबर और कर्मचारियों की संख्या शामिल हो, लोगों को दिखाई देने वाले डिस्प्ले बोर्ड पर मोटे अक्षरों में प्रदर्शित करें। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ 21 जुलाई को इस याचिका पर सुनवाई करेगी। अश्विनी कुमार उपाध्याय ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं के लिए सूचित किए जाने और विकल्प चुनने और गलत व्यापार प्रथाओं और बेईमान शोषण से बचाने के लिए जानने का अधिकार महत्वपूर्ण है। याचिकाकर्ता का कहना है कि, जानने का अधिकार उपभोक्ताओं को धोखेबाज या भ्रामक वितरक, डीलर, व्यापारी, विक्रेता और दुकान मालिक को झांसे में आने से बचाता है, जो किसी उत्पाद/सेवा के बारे में गलत जानकारी दे सकते हैं या बिक्री, खरीद और पैसे के लेन-देन के बाद गायब हो सकते हैं। यदि किसी उपभोक्ता को किसी उत्पाद या सेवा से कोई समस्या है, तो शिकायत दर्ज करने और उपभोक्ता निवारण मंचों के माध्यम से समाधान पाने के लिए वितरक, डीलर और विक्रेता के बारे में विवरण जानना आवश्यक है।

महिला के पेट से निकला 10.6 किलो का ट्यूमर, डॉक्टर भी रह गए दंग; ऑपरेशन करने वाली टीम को मिल रही शाबाशी

नई दिल्ली।

सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों ने दुर्लभ कैंसर से पीड़ित एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला मरीज के पेट से 10.6 किलोग्राम का ट्यूमर निकाल कर नई जिंदगी दी। अस्पताल के सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने 11 जुलाई को छह घंटे में सर्जरी कर उस ट्यूमर को निकाला था। अब उस बुजुर्ग महिला मरीज के स्वास्थ्य में सुधार है और खाना पीना शुरू कर दिया है। इसलिए 18 जुलाई को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई है। अस्पताल के सर्जरी विभाग की प्रोफेसर डॉ. शिवानी बी. परुथी ने बताया कि मरीज को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) था, जो पेट का रेयर कैंसर है। यह ट्यूमर पाचन तंत्र से जुड़े आइसीसी (इंटरस्टीशियल सेल्स आफ काजल) से शुरू होता है। आइसीसी को पाचन तंत्र का पेसमेकर भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग महिला को आठ माह से यह ट्यूमर था। इसके कारण भूख नहीं लगने से वह ठीक से खाना नहीं खा पा रही थीं। इस वजह से उनका वजन कम होता जा रहा था। ट्यूमर पेट के पूरे हिस्से में फैल चुका था और यह छोटी आंत, बड़ी आंत, यूरिनरी ब्लैडर सहित पेट में कई महत्वपूर्ण अंगों के साथ चिपका हुआ था। इसलिए उसे निकाल पाना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई अस्पतालों में इलाज के लिए भटकने के बाद वह बुजुर्ग महिला मरीज सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचीं। शुरुआत में मेडिकल आंकोलाजी विभाग के डॉक्टरों द्वारा कीमोथेरेपी देकर ट्यूमर छोटा करने का प्रयास किया गया। दो माह में भी इससे खास फायदा नहीं होने के बाद मरीज को सर्जरी विभाग में स्थानांतरित किया गया। इसके बाद तुरंत मरीज की सर्जरी की गई। इस दौरान पेट के सभी अंगों के साथ ट्यूमर के चिपके हुए हिस्से को सावधानी के साथ काटकर अलग कर ट्यूमर निकाला गया। इस दौरान मरीज को काफी रक्तस्राव भी हुआ, लेकिन एनेस्थीसिया के डॉक्टरों के साथ मिलकर सफल सर्जरी की गई। ट्यूमर में दो किलोग्राम पानी भी भरा था। इस तरह वह अपने साथ 12.6 किलोग्राम वजन उठाकर चलने के लिए मजबूर थीं। सर्जरी के बाद मरीज को इस परेशानी से राहत मिली है। विभाग से छुट्टी देने के बाद अब मेडिकल आंकोलाजी विभाग के डाक्टर उन्हें कीमो देंगे। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज व सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने इसे जटिल सर्जरी बताते हुए कहा है कि अस्पताल मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

बिहार जैसा खेल' बंगाल में आसान नहीं

अनिल जैन

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग को इस काम के लिए अब सुप्रीम कोर्ट का भी साथ मिल गया है। बिहार में पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक नहीं लगाई। बिहार में जिस तरह पुनरीक्षण हो रहा है, उससे ममता बनर्जी को अंदाजा हो गया है कि चुनाव आयोग किस तरह से काम कर रहा है। उन्हें यह भी समझ में आ गया है कि यह सिर्फ मतदाता सूची का पुनरीक्षण नहीं है, बल्कि नागरिकता जांचने का अभियान है, जिसके आधार पर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाने का काम हो सकता है। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने समर्थक मतदाताओं के घर-घर जाकर उनके पहचान पत्र जांच रहे हैं और जिनके पास पहचान पत्र नहीं है उन्हें प्रखंड या जिला कार्यालयों से पहचान पत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। बिहार में चूंकि जनता दल (यू) और भाजपा की सरकार है तो मामला अलग है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है इसलिए बिहार की तरह बंगाल में लोगों के नाम काटना चुनाव आयोग के लिए आसान नहीं होगा।

मान के सवाल सही, अंदाज गलत

कॉमेडियन से सियासतदां बने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि नरेंद्र मोदी पता नहीं किन-किन देशों में जाते हैं, मसलन %मैग्नेशिया', %गैल्वेसिया', %टार्वेसिया'। फिर वहां का सर्वोच्च सम्मान उन्हें दिया जाता है, जो भारतीय मीडिया में हेडलाइन्स बनता है। उन्होंने कहा कि इनमें से कई देशों की आबादी दस हजार भी नहीं है। हालांकि मान ने जो नाम लिए, वैसे कोई देश दुनिया में नहीं है। चूंकि उन्होंने ये टिप्पणी प्रधानमंत्री की हाल की पांच छोटे-छोटे देशों की यात्रा के बाद की, तो लाजिमी है उसे इसी संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने मान की टिप्पणियों को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि एक राज्य के उच्च पदाधिकारी को ऐसी भाषा बोलना शोभा नहीं देता। बेशक, मान को उन देशों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, जहां मोदी गए। भले किसी देश में दस हजार लोग ही रहते हो, मगर उन व्यक्तियों की गरिमा और उनके देश का सम्मान किसी बड़ी आबादी वाले देश या वहां के बाशिंदों से कम नहीं माना जा सकता। इस लिहाज से मान के बोलने के अंदाज की बेशक आलोचना होनी चाहिए। मगर मान ने जो सवाल उठाए, वे कतई महत्वहीन नहीं हैं। यह सवाल जायज है कि मोदी की अनवरत विदेश यात्राओं से भारत को क्या हासिल होता है? किस देश में कितने साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री गया, वहां का कौन-सम्मान उसे मिला, या वहां किस उद्योगपति को कौन-सा ठेका मिल गया, यह सब देश की विदेश नीति की कामयाबी को मापने का पैमाना नहीं हो सकता। ऑपरेशन सिंदूर के समय जो तजुर्बा यही हुआ कि कोई देश हमारे पक्ष में नहीं बोला। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार के जनता दल (यू) की मदद से चल रही है। लोकसभा में भाजपा की अपनी 240 सीटें हैं और तेलुगु देशम व जनता दल (यू) की 28 सीटों के सहारे एनडीए बहुमत के नजदीक पहुंचता है। लेकिन एक तरफ चंद्रबाबू नायडू हैं, जो अपने समर्थन की मनचाही कीमत वसूल रहे हैं तो दूसरी ओर नीतीश कुमार हैं, जिन्हें किसी बात का एहसास ही नहीं है। पिछले एक साल में केंद्र सरकार की ओर से आंध्र प्रदेश को दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं मिली हैं। चंद्रबाबू नायडू न सिर्फ सरकार को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि उन्होंने अपने कोटे से भाजपा को राज्यसभा की दो सीटें भी दी हैं। लेकिन उन्होंने इसकी कीमत भी वसूली है। ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की बड़ी परियोजनाओं के बाद उन्होंने अपनी पार्टी के एक बड़े नेता अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल बनवा दिया। अरसे बाद यह देखने को मिला की भाजपा ने किसी सहयोगी पार्टी के नेता को राज्यपाल बनाया है। उधर बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला है और केंद्र सरकार की स्थिरता में नीतीश के 12 सांसदों की अहम भूमिका है। फिर भी बिहार को कुछ नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री के बिहार में दौरे हो रहे हैं तो सीवेज और सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की घोषणाएं हो रही हैं। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार की मानसिक अवस्था ठीक नहीं है, सो सब कुछ उनके आसपास के लोग कर रहे हैं, जिनका सारा फोकस अपना हित साधने पर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार संसद में नौकरशाही यानी अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों पर बड़ा कटाक्ष किया था। उन्होंने कहा था कि आईएएस हो गए तो क्या मतलब है कि सारे काम करेंगे। लेकिन बड़े सरकारी बाबुओं से मोदी का प्रेम भी जगजाहिर है। वे चुन-चुन कर अधिकारियों को सांसद या विधायक बनाते हैं और फिर उन्हें मंत्री भी बनाते हैं। उनकी सरकार में कई आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी मंत्री बने। विदेश सेवा के अधिकारी हर्षवर्धन श्रृंगला को केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। श्रृंगला कुछ दिनों पहले ही विदेश सचिव के पद से रिटायर हुए हैं। वे विदेश सेवा के तीसरे पूर्व अधिकारी हैं जो राज्यसभा में लाए गए हैं। इससे पहले दो पूर्व अधिकारी राज्यसभा में हैं। पूर्व विदेश सचिव एस. जयशंकर को गुजरात से राज्यसभा में लाया गया है। वे विदेश मंत्री भी हैं। ऐसे ही विदेश सेवा के अधिकारी रहे हरदीप सिंह को भी राज्यसभा में लाकर पेट्रोलियम मंत्री बनाया गया है। उन्हें भाजपा ने एक बार अमृतसर सीट से लोकसभा का चुनाव भी लड़वाया था लेकिन वे जीत नहीं सके थे। बहरहाल राज्यसभा में लाए गए हर्षवर्धन श्रृंगला अमेरिका में भारत के राजदूत भी रह चुके हैं। उनके पिता सिक्किम के बौद्ध थे और मां हिंदू थीं। इन दिनों दलाई लामा और चीन को लेकर विवाद चल रहा है। यह भी संयोग है कि पिछले दिनों देश को पहला बौद्ध प्रधान न्यायाधीश मिला है।

महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी अनिवार्य करने का फैसला हुआ तो उसका इतना विरोध हुआ कि सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा। इसके बावजूद हिंदी विरोधी आंदोलन शुरू हो गया। हिंदी अनिवार्य करने के फैसले ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को एक कर दिया। उधर तमिलनाडु में पहले से ही हिंदी विरोध का आंदोलन चल रहा है। कर्नाटक में भी हिंदी का विरोध हो रहा है। लेकिन इससे अलग केरल में जहां बहुसंख्य आबादी मलयालम भाषी है, वहां पहली कक्षा से हिंदी अनिवार्य करने पर विचार हो रहा है। वैसे भी केरल में हिंदी का विरोध कभी भी राजनीति का मुद्दा नहीं रहा है। इसीलिए राज्य सरकार की बनाई एक कमेटी ने सिफारिश की है कि पहली कक्षा से हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य की जाए।

यानी मलयालम और अंग्रेजी के साथ-साथ बच्चों को हिंदी भी पढ़ाई जाए। बताया जा रहा है कि राज्य में काम करने वाले प्रवासियों की संख्या को देखते हुए यह सिफारिश की गई है। राज्य में प्रवासियों की संख्या 45 लाख के करीब है, जिनमें ज्यादातर बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, बंगाल और ओडिशा के हैं। राज्य के कामकाज में इनकी भूमिका को देखते हुए सरकार ने यह पहल की है। अगर यह सिफारिश मान ली जाती है तो यह एक बड़ी शुरुआत होगी। संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है, जिसमें भारी हंगामे की संभावना है। सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा है लेकिन कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 15 जुलाई को ही अपनी पार्टी के सांसदों की बैठक बुला कर सत्र की रणनीति बनाई। इस बैठक में शशि थरूर शामिल नहीं हुए। कहा गया कि वे यात्रा कर रहे हैं।

क्या श्रृंगला विदेश मंत्री बनेंगे ?

त्रिदीव रमण

क्या डा. हर्षवर्द्धन श्रृंगला के रूप में देश को नया विदेश मंत्री मिल सकता है? पूर्व विदेश सचिव श्रृंगला को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पिछले दिनों राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। डा. श्रृंगला कई कारणों से पीएम मोदी के बेहद भरोसेमंदों में शुमार होते हैं। अमेरिका से भी इनके निजी ताल्लुकात बेहतर बताए जाते हैं, जब अमेरिका में बतौर भारतीय राजदूत इनका कार्यकाल पूरा हुआ था तब तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इनके लिए व्हाइट हाउस में 'फेयरवेल पार्टी' रखी थी। कहते हैं जब ये अमेरिका में भारत के राजदूत थे तो इन्होंने 2019 में 'हाउडी मोदी' की संकल्पना को मूर्त रूप देने का काम किया था। यह वही दौर था जब मोदी व ट्रंप का दोस्ताना अपने परवान पर था। श्रृंगला अपने रिटायरमेंट के बाद भी समय-समय पर मोदी को भारत की विदेश नीति को लेकर ब्रीफ करते रहे हैं। मोदी ने श्रृंगला को ही भारत में आयोजित होने वाले जी-20 का चीफ कोऑर्डिनेटर बनाया था। पिछले दिनों 'ऑपरेशन सिंदूर' की वकालत करने भारतीय संसदों के जो प्रतिनिधिमंडल विदेश गए थे, उनमें विशेष तौर पर श्रृंगला को भी शामिल किया गया था। सरकार श्रृंगला को एस. जयशंकर की कुर्सी पर बिठाना चाहती है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आहूत है, इस सत्र में विपक्ष सत्ता पक्ष पर खासा हमलावर रहने वाला है, इस बात के संकेत अभी से मिलने शुरू हो गए हैं। एक ओर जहां संयुक्त विपक्ष सरकार को घेरने को चाक चौबंद तैयारियों में जुटा है, वहीं इन बातों से बेपरवाह मोदी के नेतृत्व वाला सत्ता पक्ष मानसून सत्र में विधेयकों की बारिश करना चाहता है। सूत्र बताते हैं कि सोमवार से शुरू होने वाले इस सत्र में सत्ता पक्ष कम से कम 8 विधेयकों को लेकर आना चाहता है। इसमें जीएसटी बिल, मणिपुर संशोधन बिल, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक इसके अलावा इसी सत्र में न्यू इंकम टैक्स बिल भी लाया जा सकता है। इस मसले पर भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा प्रवर समिति की रिपोर्ट सत्र शुरू होते ही पेश की जा सकती है। वहीं विपक्ष पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, बिहार में चुनाव पूर्व चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण (सर) जैसे मुद्दों को सदन में उछालने की तैयारियों में है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को आधार बनाकर भी सरकार को घेरा जा सकता है जिसमें ट्रंप ने दावा किया था कि 'भारत-पाक के दरम्यान उन्होंने ही युद्ध विराम करवाया था।' इसके अलावा अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर भी विपक्ष सरकार से कई गंभीर सवाल पूछ सकता है। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने भले ही फिर से सुप्रीम कोर्ट में अपने लिए नए सिरे से न्याय की गुहार लगाई हो, पर माना जाता है कि उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए सदन एक समिति के गठन की सिफारिश कर सकता है। समिति के लिए भी तीन महीनों की तय समय सीमा में अपनी रिपोर्ट देनी जरूरी होगी। विपक्ष न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ भी महाभियोग लाने के लिए कमर कस चुका है, पर गेंद फिलहाल उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पाले में है जो शायद ही विपक्ष की मांगों पर कान धरें। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने की तैयारी है, विपक्ष इस मुद्दे को लेकर काफी हो-हल्ला मचा सकता है। विपक्ष पहले भी पहलगाम हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग के साथ प्रधानमंत्री को एक पत्र लिख चुका है, पर विपक्ष की डिमांड अनसुनी करते हुए सरकार ने संसद के मानसून सत्र की घोषणा कर दी। विपक्ष सरकार को घेरने के लिए एक के बाद एक कई बैठकें कर रहा है, पहले सोनिया गांधी के घर एक बैठक हुई, इसके बाद कई विपक्षी पार्टियों का कांग्रेस के साथ ऑनलाइन बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ, इनमें से एक बैठक में हैरतअंगेज तरीके से शिवसेना उद्धव की पार्टी भी शामिल हुई, कई कयासों को धत्ता बताते कि उसने अंदरखाने से भाजपा से हाथ मिला लिया है। अभी कुछ समय पहले ही तो इस अनजाने से भगवा चेहरे की ढोल-नगाड़ों की थाप पर ताजपोशी हुई थी, कई हैवीवेट नेताओं, नेत्रियों को चित्त करते इन्होंने सियासी बियावां से सत्ता के जगमगाते रंगमंच का सफर तय किया था। अब इनकी छोटी-छोटी गलतियां इन पर भारी पड़ने लगी हैं, पहले एक चैनल की महिला रिपोर्टर के साथ इनकी सीडी की गुपचुप चर्चा सुनी गई। फिर इनकी बेजा आदतों से परेशान होकर इनकी पार्टी की ही कुछ महिला विधायकों ने पार्टी शीर्ष के समक्ष इनके असहज व्यवहार को सवालों के कठघरे में ला खड़ा किया। बेहद भरोसेमंद सूत्रों का दावा है कि अभी-अभी कुछ रोज पहले ही एक बड़े व संपन्न राजनैतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाली भाजपा की एक महिला विधायक को अपने सीएम का व्यवहार अपने प्रति किंचित अशोभनीय लगा, सो फौरन यह बात उन्होंने पार्टी शीर्ष तक पहुंचा दी। सूत्रों का दावा है कि एक दफे जब यह महिला विधायक अपने सीएम से किसी कार्यवश मिलने पहुंची तो सीएम साहब ने उन्हें छेड़ते हुए कह दिया-'क्या बात है आजकल तो आप मिलती ही नहीं?' महिला विधायक ने फौरन प्रतिवाद करते हुए कहा-'क्या बात करते हैं सर, पिछले कुछ दिनों में ही मैं आप से चार बार मिल चुकी हूं।'

इस पर सीएम साहब ने चुटकी लेते हुए कहा-'आप जब भी मिलती हो कोई काम लेकर ही आती हो, कभी बिना काम के भी मिला करो।' यह बात और सीएम साहब की भाव-भंगिमाएं विधायक महोदया को बेहद नागवार गुजरी और उन्होंने फौरन इस बात की शिकायत दिल्ली स्थित पार्टी के एक बड़े नेता से कर दी।

फिर क्या था अगले ही कुछ रोज में सीएम साहब को दिल्ली से बुलावा आ गया, उनकी जबर्दस्त क्लास लगाई गई, उनके परफॉरमेंस और लोकप्रियता में लगातार गिरते ग्राफ का हवाला देकर उनसे रुखसती के लिए तैयार रहने को कहा गया है। पर भगवा राज में 'यथास्थितिवाद' से निपटना भी तो एक बड़ी चुनौती है। जैसे-जैसे भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा के पल धीरे-धीरे करीब आ रहे हैं, मैदान में कई नए रणबांकुरे भी चहलकदमी करते देखे जा रहे हैं। जैसे अभी कुछ रोज पहले ही एकदम से अचानक भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सीधे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नई दिल्ली स्थित उनके घर पहुंच गए। समझा जाता है कि इन दोनों नेताओं ने डेढ़ घंटे तक किसी अहम विषय पर गंभीर मंत्रणा की, फिर नड्डा वापिस लौट आए। एक प्रमुख टीवी न्यूज एजेंसी ने बकायदा इस खबर को चला भी दिया, पर महज डेढ़ मिनट के अंदर इस खबर को हटा लिया गया। कहने वाले अब दावा कर रहे हैं कि निर्मला सीतारमण को भाजपाध्यक्ष बना भाजपा एक तीर से कई शिकार कर सकती है, एक तो भाजपा पहला महिला अध्यक्ष देने का श्रेय ले सकती है। निर्मला खुद तमिलनाडु से हैं और इसके पति आंध्र से ताल्लुक रखते हैं। इस दाव से भाजपा दक्षिण में अपना भगवा गढ़ मजबूत करने का उपक्रम भी साध सकती है। बाकी जवाब तो समय ही देगा।' बिहार में अगड़ों के नेता के तौर पर भूमिहार जाति से ताल्लुक रखने वाले प्रशांत किशोर तेजी से उभर रहे हैं। कहा जाता है कि पिछले दिनों पीके ने अपनी नवगठित 'जन सुराज पार्टी' की संभावनाओं को टटोलने के लिए बिहार में एक राज्यव्यापी जनमत सर्वेक्षण करवाया। उसके नतीजों ने उन्हें एक नई राजनैतिक संजीवनी दी है। इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक जन सुराज पार्टी का वोट शेयर मौजूदा तारीख में 6 फीसदी के आसपास आ गया है। पहले यह वोट शेयर 2 फीसदी बताया जा रहा था, पीके जानते हैं कि 6 फीसदी वोट शेयर के निहितार्थ बहुत गहरे हैं, वे सिर्फ लालू-कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि भाजपा-जदयू के लिए भी एक चुनौती बन कर उभर रहे हैं।

राज्य की बदली बयार को देखते हुए नीतीश भी भाजपा के सम्मुख अड़ गए हैं कि 'सीट शेयरिंग से पहले उन्हें सीएम कैंडिडेट घोषित किया जाए', नीतीश ने सीटों के बंटवारे को लेकर 'सीटिंग-गेटिंग' का फार्मूला मानने से इंकार कर दिया है। पीके पहले भविष्यवाणी कर चुके हैं कि इस बार नीतीश 25 सीटों पर ही सिमट जाएंगे। प्रशांत इस बात से भी खुश हैं कि बिहार के लोग उन्हें पीके के बजाए इन दिनों 'पांडेय जी' का संबोधन दे रहे हैं, जो कि उनके जातीय मान्यता की स्वीकार्यता को दर्शाता है।

बम धमकियां-असहज होता समाज

दिल्ली, बैंगलुरु और कुछ अन्य महानगरों में लगातार बम रखे जाने की धमकियां भले ही फर्जी साबित हो रही हैं लेकिन ऐसी धमकियों ने न केवल पुलिस प्रशासन को परेशान कर दिया है बल्कि स्कूली बच्चों और अभिभावकों को भी असहज बना दिया है।

वैसे तो फर्जी धमकियों का सिलसिला उड़ानों तक भी पहुंच चुका है। पुलिस और सुरक्षा एजैंसियों को ऐसी धमकियों के बाद पूरी कवायद करनी पड़ती है तुरन्त बम खोजी दस्ते बुलाने पड़ते हैं। चप्पे-चप्पे की तलाशी लेनी पड़ती है। चाहे कुछ मिले न मिले ऐसी धमकियों को नजरंदाज भी नहीं किया जा सकता। स्कूलों में बम होने का ई-मेल मिलते ही क्लास रूम खाली करवाए जाते हैं। बच्चों को सतर्कतापूर्वक बाहर निकाला जाता है। अभिभावक खबर पाते ही बदहवास हो कर स्कूलों की तरफ भागते हैं। बच्चों को सुरक्षित जगह पर इकट्ठा करना, अभिभावकों को जानकारी देना, स्कूलों के लिए सिरदर्द बन चुका है तो दूसरी तरफ माता-पिता अपना काम छोड़कर बच्चों की चिंता में स्कूलों की तरफ बार-बार भागना मुसीबत बन चुका है। स्कूलों को धमकियां पहले भी मिलती रही हैं। कभी यह कहा गया कि यह कुछ स्कूली बच्चों की शरारत है। कभी कुछ गिरफ्तारियों की भी खबर आती है। कई बार धमकियों की गुत्थी सुलझाने का दावा भी किया जाता रहा है। अभी तक यह तय कर पाना मुश्किल हो रहा है कि यह कोई शरारत है, साजिश है या फिर कोई बड़ा प्रयोग है। पिछले वर्ष दिल्ली समेत एनसीआर के स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल रूस से भेजे जाने की पुष्टि हुई थी। भारत की सुरक्षा एजैंसियां ऐसे ई-मेल के मामले में उलझ कर रह गई हैं। एजैंसियां तय नहीं कर पा रहीं कि इतनी बड़ी संख्या में धमकियां मिलने का क्या कारण है? क्या ऐसा करने वाले लोग भारत के भीतर हैं या भारत के दुश्मन किसी प्रकार का बड़ा प्रयोग कर रहे हैं। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि यदि किसी स्कूल में बम धमाका हो जाए तो क्या हो सकता है। कोई एक व्यक्ति यह काम नहीं कर सकता। हो सकता है कि कोई संगठित गिरोह इसके पीछे हो।

धमकी भरे ई-मेल के स्रोत को ढूंढना आज के दौर में आसान नहीं है। ऐसा करने वाले लोग डार्क वेब और वीपीएन का इस्तेमाल करते हैं, जिसकी कई परतें होती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी इतनी जटिल हो चुकी है कि अगर धमकी किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल करके भेजी गई है तो स्रोत ढूंढना बहुत मुश्किल है। देश के धार्मिक स्थलों को भी आरडीएक्स से उड़ाने की धमकियां दी जा रही हैं।

स्वर्ण मंदिर परिसर को उड़ाने की धमकी देने के मामले में बीटेक इंजीनियर की गिरफ्तारी के बाद सवाल उठता है कि क्या बीटेक इंजीनियर मानसिक रूप से अस्वस्थ तो नहीं। निष्कर्ष कुछ भी हो ऐसी धमकियों से धार्मिक तनाव पैदा होने का खतरा बना रहता है। बम की धमकियों और अफवाहों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे सामाजिक अशांति, हिंसा और यहां तक कि आर्थिक नुकसान भी हो सकता है।

स्कूलों में बम की धमकियों का नकारात्मक प्रभाव न केवल बच्चों पर बल्कि उनके माता-पिता और समाज पर भी पड़ रहा है। बम की धमकियां मानसिक रूप से हर किसी पर दबाव बना रही हैं। ऐसे लगता है कि अगर ऐसा ही सिलसिला चलता रहा तो समाज ही दबाव में आ जाएगा। स्कूली बच्चों के अभिभावक कह रहे हैं कि ऐसी धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह भेड़िया आया, भेड़िया आया जैसी स्थिति भी हो सकती है। ऐसे में अभिभावक तो फिक्रमंद रहेंगे ही, दूसरी तरफ स्कूल प्रबंधकों के लिए भी सुरक्षा एक बड़ा मसला बन चुका है। स्कूल परिसरों में डर का वातावरण बन चुका है। दहशत फैलाने वाले एक साथ 50-50 स्कूलों को धमकाते हैं तो डर में ?शिक्षा व्यवस्था कैसे बाधा रहित बन पाएगी। कई तरह की बातें सुनाई दे रही हैं कि स्कूलों के आसपास बम निरोधी दस्ते, मैडिकल टीमें, एम्बुलैंस और पुलिस की टीमें तैयार होनी चाहिए।

स्कूलों के आगे हॉकर्स नहीं होने चाहिए। स्कूलों के बाहर जगह खाली होनी चाहिए ताकि कोई भी इमरजैंसी होने पर स्कूल खाली करवाने में दिक्कत न आए लेकिन यह सब बातें दिल्ली जैसे महानगर में सम्भव हो सकती हैं? दिल्ली के स्कूलों के बाहर रेहड़ी-पटरी वालों और ई-रिक्शा का जमघट देखकर ही बहुत सारे सवाल खड़े होते हैं। धमकियों का यह सिलसिला अब बेलगाम हो चुका है। इनके पीछे कौन है उसकी पहचान होनी चाहिए। इनके पीछे अगर कोई शरारती दिमाग काम कर रहा है तो उसका भी ईलाज किया जाना जरूरी है। स्कूल प्रबंधकों को अपने स्टाफ को भी सेफ्टी ट्रेनिंग देनी होगी, तो दूसरी ओर पुलिस प्रशासन को भी साइबर अपराधियों को पकड़ने के लिए मजबूत नेटवर्क बनाना होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि स्कूली बच्चों और अभिभावकों को मानसिक रूप से मजबूत कैसे बनाया जाए ताकि बार-बार पैदा हो रहे ऐसे हालातों में वह मजबूती से निपट सकें। न तो हम भयभीत समाज चाहते हैं और न ही हम लापरवाह समाज चाहते हैं, इसलिए सजगता बहुत जरूरी है।

बेटियों बच के रहो

समझ तो नहीं आ रहा कि हमारे समाज को क्या हो रहा है। रोज नई घटनाएं सामने आती हैं। कहीं बेटी को मार दिया, कहीं रेप हो गया। जहां बेटियां आगे बढ़ रही हैं वहीं बेटियों के साथ अन्याय या दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। अभी मैंने अपने बच्चों के साथ बैठकर नेटफ्लिक्स पर डिप्लोमेट पिक्चर देखी। क्या पिक्चर है, मेरे रोंगटे खड़े हो गए कि यही सोचकर ऐसे ही भारतीय लड़कियां कैसे फंसती हैं और उनका क्या नतीजा होता है। यह पिक्चर सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें सुषमा जी के विदेश मंत्री होने के नाते उनकी एफर्ट और कन्सर्न बहुत ही अच्छे ढंग से दिखाया गया है। इसलिए अभी तक लोग उन्हें याद करते हैं और भारतीय एम्बेसडर का भी बहुत ही अच्छा रोल और मेहनत दिखाई गई है। अगर यह एम्बेसडर है तो मैं तो इनको मिलना चाहूंगी। ऐसी पिक्चर देखकर मेरे दिल-दिमाग में इतना असर हुआ कि मैं सो नहीं पाई कि ऐसे न जाने कितनी लड़कियां ऐसे लोगों के जाल में फंसती होंगी। एक तो अपनी सूझबूझ और भारत सरकार (सुषमा जी और एम्बेसडर) की मेहनत से बच गई। न जाने कितनी बच ही नहीं पाती होंगी। अभी इस फिल्म से ही नहीं उभर पा रही थी कि मैंने अखबार में एक यूपी के बाबा के बारे में पढ़ा, टीवी में भी देखा कि कैसे एक बाबा एक अवैध धर्मांतरण रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वह गरीब और भोली-भाली लड़कियों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराने का काम कर रहा था। वो एक संगठित गिरोह चला रहा था जो गरीब और दलित वर्ग की लड़कियों को निशाना बनाता था। वह उन्हें आर्थिक लालच और विदेश भेजने का सपना दिखाकर धर्म परिवर्तन कराता था। उसे कई इस्लामिक देशों से भारी फंडिंग मिल रही थी। इस फंडिंग का उपयोग वह अपने धर्मांतरण रैकेट को चलाने और लड़कियों को बहला-फुसलाने के लिए करता था। यही नहीं उसने अपने युवाओं की एक कमांडो फोर्स भी तैयार कर रखी थी जो उसके इशारे पर वारदातों को अंजाम देते थे। धन्यवाद और शुक्र है यूपी एटीएस जिसने इसे गिरफ्तार किया। जांच में कई बातें सामने निकल कर आ रही हैं। एक साधारण व्यापार से शुरूआत करने वाले व्यक्ति ने एक धार्मिक गिरोह का निर्माण किया, जिसमें महिलाओं को धर्म परिवर्तन के नाम पर आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित किया गया। बहुत सी महिलाओं और लड़कियों ने दुपट्टा बांधे यानि मुंह ढककर आपबीती सुनाई। मेरा दिल यह सब देख-सुनकर इतना दुखी है कि समझने की कोशिश भी कर रही हूं तो यही समझ आ रहा है कि गरीबी, बेरोजगारी और कुछ उम्र ऐसी जो लड़कियां प्यार में बह जाती हैं। प्यार, शादी कोई गुनाह नहीं परन्तु गलत उम्र में गलत लड़कों के हाथ में फंसना बहुत ही गलत है। मां-बाप अगर सख्त होते हैं तो उनकी गलती नहीं। हर माता-पिता अपने बच्चों को प्यार करते हैं उनका भला चाहते हैं, उनकी सुरक्षित शादी चाहते हैं। मुझे लगता है मां-बाप को अपने बच्चों के साथ ऐसे रिश्ते कायम रखने चाहिए ताकि वो अपनी हर बात उनसे शेयर करें। अगर उन्हें किसी दूसरे धर्म का लड़का या लड़की भी पसंद है तो वह माता-पिता से डरें नहीं उन्हें बताएं। माता-पिता हैं जांच-पड़ताल तो कर लेंगे कि सही है कि नहीं।

सम्पादकीय...

सरकार को नयी जनता तो चुनने दो यारो!

इन विरोधियों ने क्या अति ही नहीं कर रखी है। बताइए, मोदी जी पर एक पैसे की धांधली का इल्जाम गोदी मीडिया के दरबार में साबित नहीं कर पाए, तो सामर्थ्य बेचारे के चुनाव आयोग के ही पीछे पड़ गए। गला फाड़-फाड़ कर सोशल मीडिया पर शोर मचा रहे हैं कि बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के नाम पर धांधली हो रही है। और पता है कि इन्हें धांधली किस-किस चीज में दिखाई दे रही है? कहते हैं कि सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखाई देता है। मोदी जी के विरोध के अंधे विपक्षियों को अच्छी से अच्छी चीज में धांधली ही दिखाई देती है। इनसे पूछिए क्या धांधली हो गयी? कहेंगे कि चुनाव आयोग ने तो कहा था कि बीएलओ के अवतार में स्कूल मास्टर, आंगनवाड़ी बहनजी, वगैरह घर-घर जाएंगे, मतदाता सूची गणना प्रपत्र भरवाएंगे, दस्तखत करवाएंगे या अंगूठा लगवाएंगे, जरूरी प्रमाणपत्र जमा करेंगे और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर फार्म अपलोड करेंगे। पर यहां तो कितने ही लोगों के घर पर न बीएलओ के पांव पड़े, न बीएलओ ने कोई फार्म दिया, न फार्म भरवाया, न दस्तखत कराया/ अंगूठा लगवाया, न फार्म वापस लिया, न जरूरी सार्टिफिकेट जमा किए। वोटर और बीएलओ की देखा-देखी तक नहीं हुई, यहां तक कि वोटर और गणना फार्म की भी देखा-देखी नहीं हुई, पर...। अरे, पर क्या? चुनाव आयोग की वेबसाइट पर वोटर का गणना फार्म अपलोड भी हो गया। इक्का-दुक्का वोटर का नहीं, पूरे के पूरे परिवारों का फार्म अपलोड हो गया। इक्का-दुक्का परिवारों का भी नहीं, पूरे के पूरे मोहल्ले-टोलों का फार्म खुद ब खुद अपलोड हो गया। यह धांधली नहीं तो और क्या है? अब कोई इन अंध-मोदी विरोध के मारों से पूछे कि इसमें धांधली क्या है? किस जमाने में रहते हैं ये लोग? लगता है इन्होंने ऑटोमैटिक का नाम ही नहीं सुना है। भइया ये इक्कीसवीं सदी की पहली चौथाई की पूंछ है। पूंछ बोले तो एकदम पूंछ का भी आखिरी सिरा। यहां ड्राइवर रहित गाड़ियां सड़कों पर फर्राटा भरने के लिए सरकारी इजाजतों की रस्सियां तुड़ाने पर आमादा हैं। ट्रायल भी हो चुके हैं। इजाजत मिलना आज-कल की ही बात है यानी आज कहीं और कल कहीं। और ये लोग एक मामूली से फार्म के खुद ब खुद भरकर, खुद ब खुद वेबसाइट पर अपलोड हो जाने को, सिर्फ इसलिए धांधली का मामला बनाने पर तुले हुए हैं कि सेकुलरिज्म के चक्कर में आसमानी करिश्मा तो मान नहीं सकते हैं। अब इन्हें कौन समझाए कि यह चुनाव आयोग की ऑटोमैटिक व्यवस्था का कमाल है। एकदम सिंपल है। मशीन ने पुरानी मतदाता सूची में से नाम लिया और नयी मतदाता सूची का गणना फार्म बनाकर अपलोड कर दिया। सच पूछिए तो चुनाव आयोग ने तो पहले ही इशारा कर दिया था कि नयी मतदाता गणना में ऑटोमैटिक मार्ग की भी मदद ली जाएगी। नहीं तो जब सारी राजनीतिक पार्टियां चिल्ला रही थीं कि इतने थोड़े से समय में मतदाता सूचियों का विशेष, गहन, पुनरीक्षण हो ही नहीं सकता है, यह असंभव है, तो चुनाव आयोग मंद-मंद यूं ही नहीं मुस्कुरा रहा होता। और तो और सुप्रीम कोर्ट तक ने कहा कि टाइमिंग ठीक नहीं लगती है, तब भी चुनाव आयोग ने यही कहा कि सब ठीक हो जाएगा। आखिर, उसे पता जो था कि सब काम ऑटोमैटिकली फटाफट हो जाएगा। अब प्लीज कोई यह मत कहना कि यह तो बीएलओ लोगों के खुद ही गणना फार्म भरकर, खुद ही फर्जी दस्तखत/ अंगूठा लगाकर, फार्म जमा कर लेने का मामला है। माना कि कई वायरल वीडियो में ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, पर यह सब नहीं है। वायरल होने से ही कोई वीडियो सच नहीं हो जाता है। वीडियो झूठा भी तो सकता है। और झूठा होने को तो उन लोगों की वीडियो गवाही भी झूठी हो सकती है, जो कूद-कूदकर बता रहे हैं कि उन्होंने न बीएलओ के दर्शन किए, न गणना फार्म के। सीधे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इसके संदेश के दर्शन किए कि उनका गणना फार्म जमा हो गया है। और मान लीजिए, बीएलओ ने खुद ही फार्म भरकर खुद ही उस पर दस्तखत कर भी दिया, तो क्या हो गया? आखिर, बीएलओ निचले दर्जे के कर्मचारी होते हैं। कुछ एक्स्ट्रा रहमदिल भी हो ही सकते हैं। नहीं देखी जा रही होगी उनसे गरीब वोटरों की परेशानी। लिया और खुद ही फार्म भर दिया। न वोटर को परेशानी, न बीएलओ को घर-घर चक्कर मारने की हैरानी और डिपार्टमेंट से लेकर चुनाव आयोग तक की मूंछ भी ऊंची; वह कर डाला बल्कि टैम से पहले कर डाला, जो सब असंभव कहते थे। डबल इंजन है, तो कुछ भी मुमकिन है! सच पूछिए तो बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। बात और गहरी है। देश में अमृत काल चल रहा है। और अमृत काल में आत्मनिर्भरता चल रही है। माना कि चुनाव आयोग स्वायत्त है। माना कि स्वायत्त का मतलब, सरकार से स्वायत्त होना होता है। लेकिन, इसका मतलब यह तो नहीं है कि आत्मनिर्भरता के मोदी जी के दर्शन से चुनाव आयोग अछूता ही रह जाएगा। विपक्षी जिसे धांधली कहकर प्रचारित कर रहे हैं, वह असल में तो चुनाव आयोग की आत्मनिर्भरता है। चुनाव आयोग ही मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है, चुनाव आयोग ही लोगों के फार्म भर रहा है, चुनाव आयोग ही नयी मतदाता सूचियां तैयार कर रहा है; इससे ज्यादा आत्मनिर्भरता क्या होगी? मतदाता बीच में आया ही नहीं और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण भी हो गया; यह चुनाव आयोग की आत्मनिर्भरता नहीं तो और क्या है? इस सब चक्कर में मतदाता सूचियों से छांट-छांटकर गरीब और कमजोर मतदाताओं के नाम काटे जाने का शोर मचाने वाले, नाहक तिल का ताड़ और राई का पहाड़ बना रहे हैं। आठ करोड़ के करीब कुल गिनती में से तीस-पैंतीस लाख के नाम कटने पर, कम से कम इतनी हाय-हाय करना नहीं बनता है। बड़े-बड़े राज्यों में, सूचियों में ऐसी छोटी-मोटी कटौतियां होती रहती हैं। वैसे भी क्या मोदी जी को इतने बड़े बिहार के मतदाताओं की सूची में से, इतने से नाम काटने के लिए भी किसी की इजाजत की जरूरत होगी? फिर एक सौ चालीस करोड़ भारतवासियों का आशीर्वाद जीतने का क्या फायदा? ब्रेख्त ने तो कहा था कि--जनता ने सरकार का विश्वास खो दिया है, सरकार को चाहिए कि अपने लिए नई जनता चुन ले।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पीतमपुरा, दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2011/00882)

पेंशनर्स की बदहाली अब कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी- ओम शंकर तिवारी

बहराइच।

आगामी 4 व 5 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित पेंशनर्स प्रदर्शन हेतु आयोजित किया गया कार्यक्रम

शहर के रोडवेज प्रांगण में सामाजिक संस्था ईपीएस- 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन नासिर अली खान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि ओम शंकर तिवारी मौजूद थे।इस कार्यक्रम में देश के सभी पेंशनरों के हित में प्रमुख चार मांगों को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन और आगामी 4 व 5 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित विशाल प्रदर्शन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ओम शंकर तिवारी ने कहा कि देश में लगभग 78 लाख करोड़ पेंशनर हैं जिनकी दर्दनाक स्थित है इसमें लगभग 37 लाख ऐसे पेंशनर हैं जिन्हें ?1000 से कम पेंशन मिल रही है।उन्होंने कहा कि इस महंगाई के दौर में पेंशनरों के सामने संकट की स्थिति है और उनकी सभी समस्याओं से केंद्र सरकार, सांसदों व उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है लेकिन उनकी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं?। श्री तिवारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी 31 जुलाई तक अगर उनकी चार प्रमुख मांगों का निस्तारण नहीं किया गया तो लाखों की संख्या में पेंशनर्स आगामी चार व पांच अगस्त को जंतर मंतर के मैदान नई दिल्ली में एकत्र होकर विशाल प्रदर्शन करेंगे और वह लोग वहां से तब तक नहीं हटेंगे जब तक सरकार उनकी मांगों को मानने का ऐलान न कर दे। इस कार्यक्रम को बीपी मिश्रा,रमेश चंद श्रीवास्तव, राज नारायण द्विवेदी प्रांतीय महामंत्री, विजय कुमार श्रीवास्तव, सरदार सरजीत सिंह, आरसी चौधरी और आर पंडित मशरकी आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि जो पेंशन का काम करेगा, वही देश पर राज करेगा।अब पेंशनरों में अपनी समस्याओं को लेकर जागरूकता आ गई है और वह अपने हक-अधिकार के लिए संघर्ष हेतु उठ खड़ा हुआ है । इस कार्यक्रम में तौकीर अहमद खान,डॉक्टर अजीमुल्ला खान, मोहम्मद अकरम एडवोकेट, रशीद अहमद सिद्दीकी, सैयद मोहम्मद फहीम, रामसनेही मंडल अध्यक्ष, मौलाना चाद, रियाजुद्दीन खान व हामिद अली खान आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन एसपी सिंह ने किया तथा अंत में प्रदेश उपाध्यक्ष नासिर अली खान ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया तथा नई दिल्ली में आयोजित उपरोक्त कार्यक्रम में देवीपाटन मंडल से अधिक से अधिक पेंशनरों की भागीदारी होने का आश्वासन देते हुए सभा का समापन किया।

जिला प्रशासन द्वारा समस्त तहसीलो में आयोजित भंडारो में शिव भक्तो को किया गया प्रसाद वितरण

बरेली।

ग्राम नितोई एवं रामगंगा में कांवड़ियों का माल्यापर्ण कर आयोजित भंडारे में प्रसाद किया गया वितरण

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज आंवला के ग्राम नितोई एवं रामगंगा में कांवड़ियों का माल्यापर्ण कर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरित किया । इस अवसर पर कावड़ यात्रियों के लिये लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में जिलाधिकारी ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा के व्यवस्थाओ का जायजा लिया। श्रावण मास के प्रत्येक रविवार तथा सोमवार को जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ से भंडारा कराया जा रहा है जो सभी शिव भक्तों को समर्पित है, जहां शिव भक्त प्रसाद ग्रहण कर सकते है तथा विश्राम भी कर सकते है, कावड़ियों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल कैम्प भी लगाए गये है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह सावन का महीना चल रहा है जिसमें हमारे भक्तगण कावड़ लेने जाते है, कुछ लोग कछला एवं कुछ लोग हरिद्वार से भी जल लेकर आते है और भगवान भोलेनाथ को अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा की जा रही है मुख्यमंत्री जी से प्रेरणा लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा जनपद कि प्रत्येक तहसीलों में कांवड़ यात्रियों के ठहरने, उनके भोजन कराने तथा स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल कैंप की भी पूर्ण व्यवस्था की गई है जिससे यदि कोई यात्री यात्रा के दौरान बीमार हो जाता है तो उसका उपचार किया जा सके । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, उपजिलाधिकारी आंवला विदुषी सिंह, तहसीलदार सदर सहित अन्य अधिकारीगण व शिवभक्त उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के स्वच्छता सर्वेक्षण मे नगर पालिका आंवला को मिला प्रथम स्थान

आंवला । देशभर में चलाया जा रहा स्वच्छ भारत अभियान मे नगर पालिका आंवला ने बाजी मारते हुए जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। बताते चले कि देश भर मे जोर शोर से. चलाये जा स्वच्छ भारत अभियान के तहत हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में जनपद बरेली की समस्त नगर पालिकाओं में नगरपालिका परिषद आंवला को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष सैय्यद आबिद अली ने अपने समस्त नगर पालिका के अधिकारी / कर्मचारी और शहर की समस्त जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नगरवासियों ने शहर को साफ-सुथरा रखने में हमारा पूर्ण सहयोग किया। मै उनका भी शुक्रगुजार हूँ । नगरपालिका अध्यक्ष ने आंवला की जनता से अपील करते हुए कहा कि शहर को साफ सुथरा बनाने में सहयोग दें। जिससे आने वाले समय में जिले में ही नहीं प्रदेश में भी आंवला नगर पालिका अपनी अलग पहचान बना सके।

बाँदा रोटी बैंक टीम के द्वारा पूर्व में बाढ़ आपदा से ग्रसित जरूरतमंदों को किया कपड़ा किताबें,आदि का वितरण

बांदा।

लगभग 300 ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी दी एवं सामान देकर किया लाभान्वित

बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सादी जमा और बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सहसंरक्षक चन्द्र मौली भारद्वाज,मनु बंसल जी के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संगठन मंत्री सुनील सक्सेना की अध्यक्षता में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के कार्यालय प्रभारी मोहम्मद शमीम के नेतृत्व में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुनील यादव ग्राम कनवारा ब्लॉक बड़ोखर तहसील बाँदा जनपद बाँदा की उपस्थित में शहर के जिम्मेदार जागरूक लोगों के द्वारा दिए गए कपड़े, किताबें,जूते चप्पल, पर्स, बिस्किट, माचिस, मोमबत्ती आदि का वितरण पूर्व में बाढ़ग्रस्त कनवारा के ग्राम ब्रम्हाडेरा में जरूरतमंद ग्रामीणों को किया गया तथा साथ ही ग्रामीणों को बाढ़, सर्पदंश,स्वास्थ्य तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की टीम के संगठन मंत्री सुनील सक्सेना, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती तरन्नुम फ़ात्मा और सदस्य फरज़ाना बेगम के द्वारा जागरूक किया गया। उक्त कपड़े , किताबें, जूते चप्पल,पर्स, बिस्किट, मोमबत्ती, माचिस आदि पाकर ग्रामवासियों में अपार खुशी दिखाई दी सभी लोगों को दुआएं आशीर्वाद से नवाजा इसके पूर्व पिछले रविवार को ग्राम कनवारा के ग्रामीणों को भी जागरूक कर आवश्यक सामान का वितरण किया गया था।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप में अध्यक्ष रिज़वान अली,उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, कोषाध्यक्ष इरफ़ान खान, अब्दुल मुजीब मीडिया प्रभारी,महिला महामंत्री रिया खान,शाखा प्रमुख गूलर नाका मोहम्मद हामिद,शाखा प्रमुख खाईपार इरफ़ान खान चाँद, सदस्य शहाना खान आदि पदाधिकारी,सदस्यों एवं समाजसेवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

पूर्व मंत्री के भतीजी के पति की हत्या मामले में फैसला, तीन को उम्रकैद

बरेली। वर्ष 2016 में होली के दिन हुए चर्चित हत्या और जानलेवा हमले के मामले में अदालत ने नौ साल बाद बड़ा फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम तबरेज अहमद की अदालत ने पूर्व सैनिक सतेंद्र पाल सिंह उर्फ पिंटू राणा, उसके भाई रविंद्र पाल सिंह उर्फ रिंकू राणा और साले मंजीत सिंह उर्फ मोनू को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही तीनों दोषियों पर कुल 6.90 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। यह घटना 24 मार्च 2016 को प्रेमनगर थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर की है। योगेंद्र गंगवार, जो पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार के छोटे भाई हैं, उनके घर पर होली का उत्सव चल रहा था। उसी दौरान योगेंद्र की भतीजी अपने पति राजपाल गंगवार के साथ आई हुई थीं। पड़ोसी सतेंद्र पाल सिंह के घर आए मेहमानों ने गली में गाड़ी खड़ी कर रास्ता रोक दिया। वाहन हटाने की बात पर विवाद हुआ और दोपहर करीब 3:30 बजे सतेंद्र, रिंकू और मोनू हथियार लेकर योगेंद्र के घर में घुस आए। सतेंद्र ने राजपाल गंगवार के पेट में गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

हुजूर ताजुश्शरिया के विसाल को सात साल पूरे होने पर फ़ातिहा व लंगर का किया गया एहतिमाम

बरेली। ताजुशशरिया मुफ़्ती अख़्तर रज़ा क़ादरी अज़हरी मियां का विसाल आज से ठीक सात साल पहले 20 जुलाई 2018 को हुआ था। आज अंग्रेजी तारीख पर विसाल के मौके पर दरगाह ताजुशशरिया पर महफ़िल का एहतिमाम किया गया। कार्यक्रम दरगाह ताजुशशरिया के सज्जादानशीन व क़ाज़ी-ए-हिंदुस्तान मुफ़्ती मुहम्मद असजद रज़ा खां क़ादरी असजद रज़ा क़ादरी की सरपरस्ती व सदारत में संपन्न हुआ । फरमान मियाँ ने कहा कि उलेमाओं की खुसूसी तक़रीर हुई जिसमें उन्होंने हुजूर ताजुश्शरिया की ज़िन्दगी पर रोशनी डाली व दीनी ख़िदमात के बारे में बताते हुए कहा कि अपनी ज़िन्दगी को सिर्फ़ ख़िदमते दीन के लिए वक़्फ़ कर दिया, आपने बहुत सी किताबे लिखीं जिनमे आपका नातिया दीवान व फतावा ताजुश्शरिया मशहूर हैं।

15 साल बाद ठगी के आरोपी बिल्डर की गिरफ्तारी, 4 करोड़ की हाउसिंग फ्रॉड में था वांछित

बरेली।

ईओडब्ल्यू लखनऊ की कार्रवाई, BDA स्वीकृति के नाम पर की गई थी ठगी, सहयोगी मालती अब भी फरार

बीडीए से स्वीकृत कॉलोनी में प्लॉट और आवास दिलाने का झांसा देकर करीब चार करोड़ रुपये की ठगी करने वाले कृष्णा आवासीय समिति के संचालक दिलीप कुमार को 15 साल बाद आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया।

ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा) लखनऊ की टीम ने शनिवार को दिलीप को उसके खुर्रम गौटिया स्थित आवास से पकड़ा। दिलीप कुमार पर प्रेमनगर थाने में सात मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2008 में उसने कृष्णा आवासीय समिति के नाम से फर्जी हाउसिंग स्कीम शुरू की थी। लोगों को बीडीए से स्वीकृत योजना का हवाला देकर प्लॉट और मकान देने का झांसा दिया गया। लोगों से करीब चार करोड़ रुपये जमा कराए गए और फिर वह फरार हो गया। मामले की जांच पहले प्रेमनगर पुलिस ने की, लेकिन दो साल में कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके बाद 25 मई 2010 को शासन के निर्देश पर मामले की विवेचना ईओडब्ल्यू लखनऊ को सौंप दी गई। जांच में दिलीप कुमार को दोषी पाया गया और उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट व कुर्की की कार्रवाई शुरू की गई। शनिवार को ईओडब्ल्यू को सूचना मिली कि दिलीप बरेली में है। टीम प्रभारी इंस्पेक्टर रज़ी अहमद और उनकी टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इन मुकदमों में कुल छह आरोपी नामजद थे, जिनमें से तीन की मृत्यु हो चुकी, एक नाबालिग आरोपी को निर्दोष पाया गया, जबकि मुख्य सहयोगी मालती चूड़ामणि अब भी फरार है। उसकी तलाश में ईओडब्ल्यू लगातार प्रयास कर रही है।

तालाब में डूबने से बुझ गया घर का इकलौता चिराग, परिवार का रो कर बुरा हाल

मेजा, प्रयागराज। साथियों के साथ नहाने गए किशोर की तालाब में डूबने से मौत की सूचना पर परिजनों में हड़कंप मच गया। तालाब पर मौजूद बच्चों की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने लगभग आधे घंटे बाद डूबे किशोर को बाहर निकाल आनन-फानन में सीएचसी रामनगर ले गए, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। किशोर के मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को हुई कोहराम मच गया। मेजा थाना क्षेत्र के सिकटी गांव निवासी रियाज अली का इकलौता बेटा राज (16) रविवार दोपहर तीन बजे अपने कुछ साथियों के साथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरुदत्त का पूरा (सिकटी) के पास तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में समा गया और डूब गया। तालाब पर मौजूद बच्चों की सूचना पर पहुंचे ग्रामीण व परिजनों ने तालाब में खोजबीन कर किशोर को बाहर निकालते हुए आनन-फानन में सीएचसी रामनगर ले गए। जहां डाक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। किशोर के मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को हुई कोहराम मच गया। बता दें कि रियाज अली की पहली बीवी की राज और दो बेटियां थी। राज के जन्म लेने के एक माह बाद ही उसकी मां का निधन हो गया था। जिसके बाद बच्चों की परवरिश को लेकर रियाज ने दूसरी शादी कर ली। इस बीच बड़ी बेटी की शादी कर इस समय रियाज जीविकोपार्जन के लिए दूसरी पत्नी रेहाना बेगम एवं एक बच्ची के साथ दिल्ली में रहकर किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता है। बेटे की मौत की सूचना पर वह दिल्ली से घर के लिए निकल पड़ा है।

असम (सक्षम भारत) कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गाँधी ने अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ गुवाहाटी में राजनीतिक मामलों की समिति, पीसीसी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, फ्रंटल संगठन प्रमुख और जिला अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। छाया -सक्षम भारत

पार्टी नहीं, देश पहले, शशि थरूर के बागी तेवर से कांग्रेस में भूचाल!

नई दिल्ली । पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोचि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है - जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बड़ी समस्या बन जाती है। उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है मेरे हिसाब से, राष्ट्र सबसे ऊपर है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक जरिया हैं। इसलिए, मेरे विचार में, आप जिस भी पार्टी से हों, उस पार्टी का मकसद अपने तरीके से एक बेहतर भारत बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि बेहतर भारत बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। हममें से कुछ यादा पूंजीवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग यादा समाजवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग कुछ खास तरह के नियमों के पक्ष में हो सकते हैं। कुछ लोग यादा नियम-कायदों के खिलाफ भी हो सकते हैं। तो आपके अलग-अलग विचार हो सकते हैं। यह ठीक है। लेकिन आखिर में, हम सभी को एक बेहतर भारत, एक सुरक्षित भारत, एक ऐसे भारत के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिसकी सीमाएं सुरक्षित हों, जिसका भूभाग सुरक्षित हो, और जिसके लोगों की भलाई सुनिश्चित हो सके। और यही मेरी प्रतिबद्धता है। थरूर यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा, और अगर हम इस आदर्श को अपनाते हैं, तो यही भावना सभी दलों में होनी चाहिए, न सिर्फ दो दलों में बल्कि बहुदलीय भी। आपने संसद के बारे में पूछा। आज हमारी संसद में 46 राजनीतिक दल हैं। कुछ ऐसे मुद्दे जरूर होंगे जिन पर वे सभी एकजुट हों। यह निश्चित रूप से मेरा दृढ़ विश्वास है। लेकिन यह आसान नहीं है। पहलगाम आतंकवादी हमले और भारत के जवाबी हमले, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से थरूर लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के सामने भारत की स्थिति स्पष्ट करते रहे हैं।

23-24 जुलाई को ब्रिटेन के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी; मालदीव के आजादी महोत्सव में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा। ब्रिटेन दौरे पर पीएम मोदी विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से चर्चा करेंगे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स से भी मुलाकात कर सकते है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पीएम मोदी, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइजु के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। दोनों नेता भारत-मालदीव के बीच संयुक्त आर्थिक और मैरीटाइम सुरक्षा समझौते पर प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। अक्तूबर 2024 में जब मोहम्मद मोइजु ने भारत का दौरा किया था, उस समय दोनों देशों के बीच इस समझौते पर सहमति बनी थी।

पिताजी ही बनेंगे मुख्यमंत्री, जन्मदिन पर रुद्राभिषेक के बाद बोले सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार

पटना ।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने रविवार को कहा कि उनके पिता ही एक बार फिर प्रदेश के सीएम बनेंगे. रविवार को अपने जन्मदिन पर पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने रुद्राभिषेक किया और भगवान से आशीर्वाद भी मांगा. इस मौके पर उनके परिवार के लोग भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा, पहले यह पूजा मां करवाती थी और दरिद्र भोजन करवाती थी, अब पिताजी करवाते हैं. रुद्राभिषेक के बाद पत्रकारों से बातचीत में निशांत ने दावा किया कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हम लोग अच्छे बहुमत से जीतेंगे और एनडीए की सरकार बनेगी, यह मेरा विश्वास है. निशांत ने कहा, प्रदेशवासियों को विश्वास है कि पिताजी ने जो 20 साल में काम किया है, उसका फल वे जरूर देंगे.

उन्होंने प्रदेश के लोगों से अपील की, अब चुनाव नजदीक है. फिर से एनडीए को विजयी बनाएं और पिताजी को फिर से मुख्यमंत्री बनाएं. उन्होंने रोजगार और नौकरी सहित कई विकास योजनाओं को भी गिनवाया.

इस बीच, जदयू कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं द्वारा एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें बड़े अक्षरों में लिखा गया है बिहार की मांग सुन लिए निशांतजबहुत-बहुत धन्यवाद. इस पोस्टर में नीतीश कुमार और निशांत कुमार की तस्वीर भी लगाई गई है. इस पोस्टर के सामने आने के बाद एक बार फिर से निशांत के राजनीति में आने की चर्चा तेज हो गई है. हालांकि, निशांत ने खुद के राजनीति में आने के सवालों का जवाब नहीं दिया.

ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत, सात अन्य घायल

नई दिल्ली । ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटनाएं कोरापुट और नयागढ़ जिले में हुईं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोरापुट जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 26 पर सुनाबेड़ा के पास शनिवार को रात करीब साढ़े 11 बजे दो कारों की सीधी टक्कर में चार लोग मारे गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि एक कार कोरापुट से दमनजोड़ी और दूसरी कार सेमिलिगुड़ा से सुनाबेड़ा जा रही थी। उन्होंने बताया कि दोनों कार के चालकों सहित एक कार में सवार दो अन्य लोगों की इस दुर्घटना में मौत हो गई और एक अन्य घायल व्यक्ति का कोरापुट के एसएलएन मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि नयागढ़ जिले में दासपाल्ला के पास रविवार को सुबह एक पिकअप वैन कांवड़ियों को ले जा रहे एक ऑटोरिक्शा से टकरा गई। इस दुर्घटना में एक महिला कांवड़िया की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। सभी कांवड़िये कांतिलो से लाडूबाबा मंदिर जा रहे थे। नयागढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल के एक चिकित्सक ने कहा, ''ऑटोरिक्शा दुर्घटना में घायल हुए सात लोगों को हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल छह लोगों को भुवनेश्वर रेफर कर दिया गया है।

अरुणाचल के नामसाई में सुरक्षा बलों ने आईईडी बरामद किया

अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले से सुरक्षा बलों नेएक आईईडी बरामद किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि असम राइफल्स ने नियमित अभियान के दौरान प्यौंग सर्कल के अंतर्गत आने वाले नाम्टी गांव से शनिवार को आईईडी बरामद किया। नामसाई के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सागे धिनले ने पीटीआई- को बताया कि असम राइफल्स ने विस्फोटक बरामद होने की सूचना पुलिस को दी। उन्होंने कहा कि आईईडी संभवतः पुराना है और सुरक्षा बल इसकी जांच कर रहे हैं। धिनले ने कहा कि बम निरोधक दस्ता बरामद आईईडी को निष्क्रिय कर देगा। एसपी ने कहा कि अगले महीने होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर नामसाई जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भारत माता की जय... मुसलमानों ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, अमरोहा में दिखा सांप्रदायिक सौहार्द

अमरोहा। कांवड़ यात्रा के दौरान बछरायूं में सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों पर मुसलमानों ने फूल बरसा कर उनका स्वागत किया। उन्हें फलाहार भी वितरित किया। मंडी धनौरा गजरौला रोड पर बछरायूं गेट के सामने सीओ अंजलि कटारिया व प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार के साथ बछरायूं के शेख निजामुद्दीन, दिलशाद अहमद, नौशाद अली, मोहम्मद सैफ, डॉक्टर अनीस, मसरूर अहमद व काले चौधरी आदि लोगों ने कांवड़ियों के जत्थों पर फूल बरसा कर उनका स्वागत किया। भारत माता की जय के नारे भी लगाए। शेख निजामुद्दीन ने कहा कि यह भारत की साझा संस्कृति का हिस्सा है। हम सभी लोग मिलकर हिंदू भाइयों का स्वागत कर रहे हैं। इससे नफरत फैलाने वाले एक वर्ग को भी सीख मिलेगी। सीओ ने कहा कि यही भारतीय संस्कृति की पहचान है। सभी धर्म के लोग मिलजुल कर एक दूसरे से धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज रविवार से डाक कांवड़ियों की धूम है। इसके लिए पुलिस दोपहर से ही हाईवे की दोनों सड़कों पर जीरो ट्रैफिक व्यवस्था का प्लान लागू किया है। बाकी हरिद्वार-बदायूं स्टेट हाईवे पर निगरानी के साथ वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद है। 23 जुलाई को महाशिवरात्रि का पर्व खत्म होने के बाद यह पाबंदियां खत्म होंगी।

सीएम योगी बोले- कांवड़ यात्रा में उपद्रव और तोड़फोड़ करने वालों के लगेंगे पोस्टर... होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ । कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार पोस्टर चस्पा करने जा रही है और यात्रा सम्पन्न होने के बाद उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। ये बातें खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में कही। सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद सख्त नजर आए और कहा कि सभी घटनाओं के सीसीटीवी हैं जिन्होंने भी कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है। जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे है वो सब बेनकाब होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने आगाह करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में उत्साह और उमंग है। श्रद्धा

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा, हर हर महादेव के गूंजे नारे...दूधेश्वरनाथ मंदिर में की पूजा

और भक्ति है। वहीं इस उत्साह और श्रद्धा को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। सोशल मीडिया के साथ अन्य माध्यमों से इस धार्मिक यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे लोगों को अपने बीच में न घुसने दें। कांवड़ को खंडित करने और श्रद्धा से जो खिलवाड़ करता है। खुद कानून हाथ में न लें बल्कि उनके बारे में प्रशासन को सूचना दें। मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा के दौरान जहां कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। वहीं लोगों को उनकी जिम्मेदारी का भी अहसास कराया। सीएम योगी ने कहा कि शिव लोकमंगल के देवता है। वो आदिदेव महादेव है। पुलिस प्रशासन ने तो बेहतर व्यवस्थाएं की हैं लेकिन हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें दूसरों की परेशानी समझनी होगी। सफाई कर्मचारी तो अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं लेकिन हमें भी अपना दायित्व समझना होगा। चौराहों और उनके पास गंदगी ना फैलाएं इसलिए शिव भक्त स्वच्छता के कार्यक्रम से जुड़ें।

पटना में हाईवे पर चढ़ा गंगा नदी का पानी; इलाकों में बाढ़ जैसे हालात

पटना । पटना में गंगा नदी उफान पर है। कई जगहों पर लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही है। बाढ़ के पानी के कारण पटना जिले के मनेर, दानापुर, फतुहा, बख्तियारपुर और दनियावां में असर दिखने लगा है। गंगा नदी के पानी में लगातार बढ़ोतरी के बाद लोगों के घरों और सड़कों पर बाढ़ का पानी आ चुका है। दनियावां नगर, नीसा, बख्तियारपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 ए पर गंगा नदी का बाढ़ का पानी पहुंच चुका है, जिसके कारण इस मार्ग पर पूरी तरह से जलमग्न हो गया है, जिससे गाड़ियों के परिचालन में काफी समस्या आ रही है। इधर, गंगा नदी के जलस्तर के खतरे की ओर बढ़ने के साथ ही दियारा के गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। बाढ़ के पानी के कारण दियारा में कई सरकारी और प्राइवेट स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

राजनीति को खेल में नहीं लाना चाहिए : केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

नई दिल्ली । भारत-पाकिस्तान के बीच खराब संबंधों के चलते आज इंग्लैंड में डब्ल्यूसीएल में होने वाला भारत-पाकिस्तान का मैच रद्द हो गया। कई भारतीय खिलाड़ियों के खेलने से इनकार के बाद यह फैसला किया गया। अब इस पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। रामदास अठावले ने कहा कि राजनीति को खेल में नहीं घसीटना चाहिए। रामदास अठावले ने कहा कि भारत-पाकिस्तान का मैच आज इंग्लैंड में होना था। ये सच है कि आतंकियों ने पहलगाम में आतंकी हमला किया और उसके बाद आतंकी कैंप तबाह किए गए, लेकिन मैच का मामला अलग है। राजनीति को खेल में नहीं घसीटा जाना चाहिए। अगर मैच भारत में हो रहा होता तो ये गंभीर बात थी, लेकिन मैच इंग्लैंड में हो रहा था। हमने पाकिस्तान को लड़ाई में हराया है और हमने उन्हें क्रिकेट में भी हराया है। इसलिए इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर भी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर काफी रोष जताया जा रहा था। आखिरकार आयोजकों ने इस रद्द करने का फैसला किया। युवराज सिंह की अगुआई वाली टीम का इस टूर्नामेंट में यह पहला मुकाबला था। भारतीय टीम में शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और अंबाटी रायुडू जैसे बल्लेबाज शामिल हैं।

चंदन मिश्रा मर्डर केस में शूटर तौसीफ, नीशू समेत चार गिरफ्तार; पुलिस ने बंगाल के कोर्ट में पेश किया

पटना । पटना के पारस हॉस्पिटल में हुए हत्याकांड में बिहार पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य शूटर तौसीफ खान उर्फ बादशाह, नीशु खान समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पुलिस टीम ने कोलकाता के गेस्ट हाउस में छापेमारी के दौरान एक महिला को भी हिरासत में लिया है। चर्चा है कि इस को कार्रवाई के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच गोलीबारी भी हुई। इसमें एक आरोपी भी घायल हुआ है। पुलिस ने कुछ अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। इन लोगों से भी पूछताछ चल रही है। इधर, बिहार पुलिस की टीम ने चार आरोपियों को पटना लाने से पहले मेडिकल जांच के लिए एसएसकेएम अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद इन्हें अलिपोर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश के बाद चारों को रिमांड पर लेकर पुलिस टीम पटना आएगी। हालांकि, पटना पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि एसटीएफ के सहयोग के चंदन मिश्रा हत्याकांड में मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह, निशु खान समेत चार लोगों को कोलकाता में हिरासत में लिया गया है। पुलिसिया पूछताछ में पता चला कि निशु खान के आवास पर इस हत्या की साजिश रची गई थी। घटना को अंजाम मुख्य रूप से तौसीफ उर्फ बादशाह द्वारा दिया गया है। इस मामले में अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ चल रही है। पुलिस सूत्रों की मानें तो गुप्त सूचना मिली थी कि चंदन मिश्रा को गोली मारने वालों में से एक तौसीफ अपने दोस्तों के साथ कोलकाता के आनंदपुरी इलाके में एक गेस्ट हाउस में छिपा हुआ था। इसके बाद एसटीएफ और कोलकाता पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। इस दौरान तौसीफ, नीशू खान, हर्ष उर्फ हरीश कुमार, भीम कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इनके अलावा पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया था। वह तौसीफ के साथ थी।

पंचतत्व में विलीन हुए एथलीट फौजा सिंह, सीएम मान सहित कई बड़ी हस्तियों ने दी अंतिम विदाई

जालंधर । दुनिया के सबसे उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह (114) आज पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके विदेश में रहने वाले पारिवारिक सदस्यों के आने के बाद आज दोपहर उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव ब्यास में कर दिया गया। फौजा सिंह को अंतिम विदाई के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया समेत कई सियासी नेताओं और मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। अंतिम संस्कार से पहले फौजा सिंह के शव को जालंधर के सिविल अस्पताल से उनके घर लाया गया, जहां अंतिम रस्मों के बाद उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने परिवार से दुख साझा करते हुए कहा कि फौजा सिंह के जज्बे को सलाम है। उन्होंने भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि नशा मुक्ति यात्रा के दौरान फौजा सिंह उनके साथ चले थे। गौरतलब है कि 114 वर्षीय फौजा सिंह की उनके घर से कुछ दूरी पर ही सड़क हादसे में मौत हो गई थी। उन्हें फॉर्च्यूनर कार सवार एन.आर.आई. अमृतपाल सिंह ढिल्लों ने टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद फौजा सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कनाडा से आए एन.आर.आई. को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अमृतपाल को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

मानसून सत्र आज से, पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर घेरेगा विपक्ष

- कांग्रेस बोली- पहलगाम-सीजफायर पर मोदी जवाब दें
- रिजिजू बोले- संसद चलाना सबकी जिम्मेदारी
- बिहार चुनाव से पहले ताकत दिखाने का मौका
- बीजेपी बोली- हर सवाल का जवाब देंगे

नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र से पहले सरकार द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण, ओडिशा में कानून-व्यवस्था और पहलगाम आतंकवादी हमले सहित विभिन्न मुद्दे उठाए. सरकार ने सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्षी दलों से सहयोग मांगा. केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू और उनके कनिष्ठ मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सरकार का प्रतिनिधित्व किया. कांग्रेस के गौरव गोगोई एवं जयराम रमेश, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार की सुप्रिया सुले, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के टी आर बालू और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई-ए) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बैठक में भाग लेने वाले सांसदों में शामिल रहे.

सरकार मानसून सत्र में 8 बिल पेश करेगी

केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

कांग्रेस के गौरव गगोई ने उठाए कई सवाल

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस नेता गौरव गगोई ने कहा, संसद सत्र के दौरान सरकार से अहम सवालों का जवाब सुनने को मिलेगा, कुछ विशेष सवाल उठाएंगे. उम्मीद है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन को संबोधित करेंगे. पहलगाम में जो

हुआ, उस पर सरकार को अपनी बात रखनी होगी. सेना को सब एकजुट होकर समर्थन दे. आज अमेरिका से जो बयान आ रहे है वह सेना की गरिमा पर सवाल उठाता है. पीएम को इसपर बोलना चाहिए. चुनाव आयोग आज वोट के मुद्दे पर अलग-अलग दलों से बात भी नहीं कर रहा है. सरकार का पक्ष पीएम को रखना चाहिए. रक्षा और विदेश के मुद्दे पर खासकर ट्रू-फेट पर विशेष चर्चा की हम मांग करते है. आज भी पीएम मणिपुर नहीं जा रहे है. हम सकारात्मक चर्चा की उम्मीद करते है.

आप का फोकस बिहार पर रहा

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने बैठक में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कथित 'चुनावी घोटाले और भारत तथा पाकिस्तान के बीच 'युद्धविराम की मध्यस्थता को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे का मुद्दा उठाया. उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन केवल लोकसभा चुनावों के लिए है और 'आप विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ रही है.

बीजद का मुद्दा ओडिशा में कानून-व्यवस्था

सर्वदलीय बैठक में बीजद नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, राज्य की भाजपा सरकार असहाय और विफल है. राज्यों में कानून-व्यवस्था की विफलता की जिम्मेदारी से केंद्र बच नहीं सकता, संसद में इस पर बहस होनी चाहिए.

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग इकलौता मुद्दा, जिस पर पक्ष-विपक्ष दोनों सहमत

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 100 से यादा सांसदों ने दस्तखत किए हैं। जस्टिस वर्मा अपने घर पर जली हुई नकदी मिलने के बाद से मुश्किल में हैं। मानसून सत्र में इस मुद्दे पर सरकार विचार करेगी या नहीं इस पर रिजिजू बोले कि यह प्रक्रिया सभी दल मिलकर करेंगे। यह अकेले सरकार का काम नहीं है।

अजित पवार की पार्टी के नेता नहीं हुए शामिल

मानसून सत्र से पहले केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शरद पवार की पार्टी एनसीपी से सुप्रिया सुले, शिवसेना पार्टी से श्रीकांत शिंदे और उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी शिवसेना से अरविंद सावंत मौजूद थे. हालांकि, अजित पवार की पार्टी का एक भी नेता मौजूद नहीं है.

बीड में एक पूर्वनियोजित कार्यक्रम के कारण सुनील तटकरे बैठक में शामिल नहीं हुए. बता दें कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के 24 दलों के प्रमुख नेताओं ने संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले शनिवार को फैसला किया था कि वे पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोके जाने, भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बीच मध्यस्थता संबंधी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे, बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कई अन्य मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे.